# यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो : वैश्विक बाजार तक पहुंच

## 25 से 29 सितंबर, 2024

उत्तर प्रदेश के 'हस्तशिल्प, दस्तकारी और संस्कृति' से देश और दुनिया के उद्यमियों, विनिर्माताओं और व्यापारियों को परिचित कराने के लिए योगी सरकार ने पिछले वर्ष इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया था। इसकी सफलता से प्रेरित होकर अब 'उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी' (यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो) के दूसरे संस्करण का आयोजन 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में किया जा रहा है। इस वर्ष के शो में वियतनाम पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल हो रहा है। आयोजन की तैयारियां अब अंतिम दौर में हैं। यह प्रदेश की ब्रांडिंग का एक बेहतरीन अवसर है। इस वर्ष के इंटरनेशनल ट्रेड शो की थीम 'सोर्सिंग का अद्वितीय मंच' पर आधारित है। शो में शामिल होने वाले विजिटर्स और बॉयर्स इसके प्रति सहज ही आकर्षित होंगे। यह शो यूपी के उत्पादों को वैश्विक मंच भी प्रदान करेगा। साथ ही व्यापार के नये अवसर भी बढ़ायेगा।

## यूपी के उत्पादों को मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय बाजार

ग्रेटर नोएडा में इस बार यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो पिछली बार की अपेक्षा काफी बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। इस बार ट्रेड शो में विजिटर्स और बॉयर्स को बहुत कुछ नया देखने को मिलेगा। यह शो 25 से 29 सितंबर तक चलेगा। ट्रेड शो का मकसद यूपी के प्रोडक्ट्स को बेहतरीन प्लेटफॉर्म दिलवाना है, ताकि यूपी का व्यापार न सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि दुनिया के बाजार में भी अपने बेहतर पहचान बना सके। यह अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो, उत्तर प्रदेश के बड़े उद्योगों, आईटी, आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन व संस्कृति, ऊर्जा, ओडीओपी जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, विनिर्माताओं एवं निर्यातकों के लिए वैश्विक मंच उपलब्ध कराने की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होगा।

### 2500 से अधिक इक्जिबिटर्स ने कराया पंजीकरण

ट्रेड शो में अब तक 2500 से अधिक एक्जिबिटर्स पंजीयन करा चुके है। यह संख्या पिछली बार से करीब 500 ज्यादा है। सबसे अधिक प्रतिनिधित्व अफ्रीका महाद्वीप से है, जहां के 14 देशों ने पंजीकरण कराये हैं। यूरोप, पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के 12 देश इसमें शामिल हो रहे हैं। लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्र के आठ देश शो में हिस्सा लेंगे। स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रमंडल देशों से सात देश और पांच देश दक्षिण पूर्व एशिया का प्रतिनिधित्व करेंगे। दक्षिण अफ्रीका के साथ पूर्वोत्तर एशिया दोनों के बार-बार देश शामिल होंगे। उत्तरी अमेरिका और ओशिनिया क्षेत्र के तीन-तीन देश शामिल होंगे।

> ग्रेटर नोएडा में 25 से 29 सितंबर तक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन होने जा रहा है। यह अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो, उत्तर प्रदेश के बड़े उद्योगों, आईटी/आईटीईएस, एमएसएमई, स्टार्टअप, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, पर्यटन व संस्कृति, ऊर्जा एवं ओडीओपी जैसे सेक्टरों के उद्यमियों, इंटरप्रेन्योर, विनिर्माताओं और निर्यातकों के लिए वैश्विक मंच उपलब्ध कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने जा रहा है। शो के माध्यम से पूरी दुनिया उत्तर प्रदेश के अद्भुत 'क्राफ्ट, कुजीन और कल्चर' से साक्षात्कार करेगी।
>
> योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

आगंतुकों की संख्या में भी इस वर्ष भारी वृद्धि होने का अनुमान है। इसमें बिजनेस टू बिजनेस (बी-2-बी) इंटरैक्शन के लिए 1,00,000 आगंतुकों की उम्मीद है। पिछली बार यह संख्या 70,000 थी। बिजनेस टू कंज्यूमर (बी-2-सी) इंटरैक्शन के लिए 3,50,000 आगंतुकों की उम्मीद है, यह संख्या 2023 में 2,37,000 थी। इसके अतिरिक्त शो में 1,25,000 नयी बिजनेस लीड की उम्मीद है, जो पिछले संस्करण में 1,00,000 थी। यह मल्टीसेक्टोरल ट्रेड शो स्थानीय उद्यमियों, उत्पाद और शिल्प को वैश्विक बाजार उपलब्ध कराने में सहायक बनेगा।

| उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 |
|---|
| 2,500+ प्रदर्शक |
| 1,00,000+ बीटूबी आगंतुक |
| 3,50,000+ बीटूसी आगंतुक |
| 1,25,000+ बिजनेस लीड |
| 80 देशों के 600+ विदेशी खरीदार (अनुमानित) |

### प्रतिदिन होंगे नॉलेज सत्र

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन एक विशेष थीम पर नॉलेज सेशन भी आयोजित किये जायेंगे। नॉलेज सेशन में इरडा (बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण) के सहयोग से बीमा सेक्टर पर भी एक सत्र आयोजित किया जायेगा। इसी प्रकार, नवाचार और स्टार्टअप को लेकर प्रदेश में किये जा रहे प्रयासों पर केंद्रित विशेष सत्र के साथ ही ट्रेड शो में खादी पर केंद्रित फैशन शो भी आयोजित किया जायेगा। पांचों दिन उत्तर प्रदेश की कला को प्रदर्शित करती हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। आयोजन में सभी विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका भी निर्धारित की गई है। इसके व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न राज्यों में रोड शो आयोजित जा रहे हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत युवाओं को ट्रेड शो का भ्रमण कराने के साथ ही आम लोगों के लिए भी अलग से समय निर्धारित किया गया है।

> उत्तर प्रदेश ने पिछले सात वर्षों में हर क्षेत्र में विकास का मानदंड स्थापित किया है। इससे राज्य के लोगों का जीवन आसान होने के साथ ही नये अवसरों का भी निर्माण हुआ है। मुझे विश्वास है कि उत्तर प्रदेश का बहुआयामी विकास न्यू इंडिया में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) पर सराहनीय काम किया है, जिससे स्थानीय कारोबार को फलने-फूलने का पूरा मौका मिल रहा है।
>
> नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

### भारत सरकार से सहयोग

**वाणिज्य मंत्रालय :** फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (FIEO) के समर्थन से दुनिया भर से विदेशी खरीदारों को जुटाने के लिए वित्तीय सहायता

**विदेश मंत्रालय (MEA) :** अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रचार और खरीदारों को भारतीय वाणिज्य दूतावासों के माध्यम से वीजा सहायता एवं यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का प्रचार-प्रसार

**सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय :** पीएमएस (खरीद और विपणन) योजना के तहत उद्यमियों और स्टार्टअप को वित्तीय और विपणन सहायता

**इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई):** सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यूपीआईटीएस का प्रचार

## ट्रेड शो में लगेंगे 80 देशों के स्टॉल

पिछले साल आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में पांच दिनों में तीन लाख से ज्यादा लोग सहभागी बने थे, जबकि इस बार अनुमान है कि पांच लाख विजिटर्स, बॉयर्स एवं आमलोग शामिल रहेंगे। इस बार 80 देशों के स्टॉल ट्रेड शो में देखने को मिलेंगे। ट्रेड शो में सुबह 11 बजे से तीन बजे तक बिजनेस टू बिजनेस (बी-2-बी) का कार्यक्रम होगा, तो तीन बजे के बाद आम लोगों को एंट्री दी जायेगी। पिछले साल लगे ट्रेड शो की अपेक्षा इस बार कई तरह के सुधार ग्रेटर नोएडा एक्सपो मार्ट प्रबंधन ने किये हैं। इस बार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया जायेगा। ऐसे लोक कलाकार 80 देशों से आने वाले विजिटर्स और बॉयर्स के सामने अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा जायके के लिए अलग से स्टॉल लगाए जायेंगे, जहां लोग प्रदेश के अलग-अलग व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे।

### पार्टनर कंट्री के रूप में है वियतनाम

इस वर्ष के इंटरनेशनल ट्रेड शो में 'वियतनाम' पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल हो रहा है। ट्रेड शो में वियतनाम का प्रतिनिधिमंडल यहां के उच्च स्तरीय कई उत्पाद ट्रेड शो में प्रदर्शित करेगा। इसके साथ वियतनाम की सांस्कृतिक मंडली अपनी आकर्षक प्रस्तुति भी देगी। आगंतुकों को वियतनाम और भारतीय व्यंजनों का स्वाद भी मिलेगा।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

### विदेशी बॉयर्स और विजिटर्स को मिलेगी विशेष सुविधा

दुनिया भर के लाखों विजिटर्स, बायर्स और बड़ी संख्या में आम लोग यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में पहुंचेंगे। इनके लिए इस बार खास इंतजाम स्थानीय जिला प्रशासन और इंडिया एक्सपो मार्ट प्रबंधन की तरफ से किये गये हैं। विदेशी मेहमानों को किसी भी तरह की कोई दिक्कत न हो, इसके लिए सुगम आवागमन के लिए बसों के अलावा, रहने-खाने की उत्तम व्यवस्था की गई है।

## ओडीओपी अब वैश्विक मंच पर

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में ओडीओपी, स्टार्टअप कंपनी और सरकारी विभागों के स्टॉल भी लगेंगे। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों के ओडीओपी के सभी उत्पाद स्टॉल आकर्षण बनेंगे। इसके अलावा आंटो मोबाइल सेक्टर, रियल स्टेट व मोबाइल कंपनियों के स्टॉल भी दिखेंगे। इस भव्य शो में बहुत सारे ऐसे उत्पादों का प्रदर्शन किया जायेगा, जो उत्तर प्रदेश में निर्मित किये गये है और उनके लिए वैश्विक बाजार में अपार संभावनाएं हैं।

एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) कार्यक्रम ने राज्य के सभी जनपदों में अद्वितीय स्थानीय शिल्प, उद्योग और उत्पादों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है। इस महत्वकांक्षी कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित करना, रोजगार के अवसर पैदा करना और निर्यात को बढ़ावा देना है। इससे यूपी को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान भी मिल रहा है।

ओडीओपी कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियों में से एक निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि है, जो कार्यक्रम के लागू होने के बाद से लगभग दोगुना से अधिक हो गया है। इस सफलता का श्रेय कई कारकों को जाता है। इसमें बेहतर उत्पाद गुणवत्ता, बेहतर विपणन रणनीति और नये बाजारों तक पहुँच शामिल है। यह कार्यक्रम कई उत्पादों के लिए जीआई टैग हासिल करने में भी सफल रहा है।

ओडीओपी कार्यक्रम के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे मार्जिन मनी, कौशल विकास एवं टूलकिट वितरण, कॉमन फैसिलिटी सेंटर एवं बाजार विकास सहायता योजना के एकीकरण ने इसके प्रभाव को और बढ़ा दिया है। यह योजना वित्तीय सहायता, बुनियादी ढांचे के विकास और विपणन में सहायता प्रदान करती है, जिससे एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बना है, जो ओडीओपी के विकास और नवाचार को लगातार बढ़ावा दे रहा है। ओडीओपी की सफलता और प्रभाव को मान्यता देते हुए, भारत सरकार द्वारा इसी वर्ष उत्तर प्रदेश को ओडीओपी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है।

### ओडीओपी की उपलब्धियां

- कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) : 11 ओडीओपी सीएफसी का निर्माण पूर्ण हो गया है और 17 अतिरिक्त सीएफसी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ये केंद्र उत्पादन से लेकर पैकेजिंग और मार्केटिंग तक के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाएं प्रदान करते हैं, जिससे कारीगरों को अपने उत्पादों की गुणवत्ता और विपणन क्षमता बढ़ाने में सहायता मिलती है।
- प्रशिक्षण और टूलकिट वितरण : 1.08 लाख से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षण, आधुनिक टूलकिट प्रदान की गयी हैं। इससे ओडीओपी क्षेत्र में कौशल विकास और गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।
- वित्तीय सहायता : लगभग 2,838 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को वित्तपोषित किया गया है, जो इस कार्यक्रम को एक मजबूत वित्तीय आधार प्रदान करती हैं और ओडीओपी उद्यमों के विकास और स्थिरता को सुविधाजनक बनाती हैं।
- जीआई टैग : 32 ओडीओपी उत्पादों को जीआई टैग प्रदान किया जा चुका है। अब 20 अन्य उत्पादों के लिए जीआई टैग हेतु आवेदन किया गया है। इससे इन उत्पादों की ब्रांडिंग तथा इन्हें वैश्विक मान्यता दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।
- प्रचारात्मक गतिविधियां : ओडीओपी शिखर सम्मेलनों तथा विभिन्न मेलों और प्रदर्शनियों सहित 100 से अधिक प्रचारात्मक कार्यक्रमों ने विपणन और आउटरीच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे ओडीओपी का घरेलू से लेकर अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक विस्तार हुआ है।
- ओडीओपीमार्ट.कॉम : ओडीओपीमार्ट.कॉम का शुभारंभ और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर 20,000 से अधिक उत्पादों की सफल बिक्री की डिजिटल मार्केटिंग मील का पत्थर साबित हुई है।
- ओडीओपी यूनिटी मॉल : आगरा, वाराणसी और लखनऊ में 3 ओडीओपी यूनिटी मॉल विकसित किये जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य ओडीओपी उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध कराना है।

मीडिया सॉल्यूशन इनीशिएटिव